JAGRAN CITY PAGE I & III

बीएड में प्रवेश न पाने वालों को वापस होगा शुल्क

प्रवेश परीक्षा में शामिल 37 हजार अभ्यर्थियों को फरवरी में लौटाई जाएगी फीस

जासं, लखनऊ : संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा 2021-23 में शामिल होने के बाद भी सीट न पाने वाले करीब 37 हजार अभ्यर्थियों के लिए राहत भरी खबर है। काउंसलिंग कराने के बाद भी जिन अभ्यर्थियों को सीटें नहीं आवंटित हुई थीं, जल्द ही उनका शुल्क खाते में वापस कर दिया जाएगा। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक फरवरी से शुल्क भेजने की तैयारी की है।

इस बार लखनऊ विश्वविद्यालय ने संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा आयोजित की थी। दाखिले के लिए दो महीने तीन दिन तक चली काउंसलिंग की प्रक्रिया 20 नवंबर को समाप्त हुई थी। राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि प्रदेश के करीब पांच हजार अभ्यर्थी ऐसे हैं, जिन्होंने सीधी काउंसलिंग में प्रतिभाग कर 51,250 रुपये शुल्क जमा कर दिया था, लेकिन कोई सीट आवंटित नहीं हो पाई। इसके अलावा करीब 32 हजार अभ्यर्थी ऐसे भी हैं, जिन्होंने पहली और पूल काउंसलिंग में शामिल होने के लिए पांच हजार रुपये एडवांस में जमा किए थे। इन्हें भी सीट नहीं मिल पाई। इन सभी के शुल्क वापसी की प्रक्रिया एक फरवरी से शुरू करने की तैयारी है। अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर ली गई है। धनराशि काउंसलिंग के समय भरे गए बैंक खाते में वापस भेजी जाएगी। सबसे पहले 51,250 रुपये वाले अभ्यर्थियों का रिफंड वापस किया जाएगा। प्रवेश न पाने वाले ये अभ्यर्थी दो महीने से अपना जमा शुल्क वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

आनलाइन होंगी एमकाम की मिड सेमेस्टर परीक्षाएं : लखनऊ विश्वविद्यालय का कामर्स विभाग एमकाम प्रथम सेमेस्टर (2021-22) की मिड सेमेस्टर की परीक्षाएं 31 जनवरी से आनलाइन कराएगा, जोकि पांच फरवरी तक चलेंगी। विभाग के हेड प्रो. अवधेश कुमार ने शुक्रवार को आनलाइन परीक्षा का कार्यक्रम जारी कर दिया।

31 जनवरी : अकाउंटिंग थ्योरी एंड प्रैक्टिस, एक फरवरी- वर्किंग कैपिटल मैनेजमेंट, दो फरवरी- डायरेक्ट टैक्स ला एंड अकाउंट्स, तीन फरवरी- इंडियन एंड ग्लोबल बिजनेस एन्वायरमेंट, चार फरवरी- मार्केटिंग मैनेजमेंट, पांच फरवरी- बिजनेस एथिक्स एंड कारपोरेट गवर्नेंस।

चार नए जिलों के कालेज एनएसएस में शामिल

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त महाविद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2021-22 के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के लिए छात्र संख्या आवंटित कर दी गई। कोविड की वजह से इस बार यह प्रक्रिया छह महीने देर से शुरू हो पाई। लखनऊ के साथ-साथ विश्वविद्यालय में पहली बार शामिल हुए चार नए जिलों के कालेजों को भी इसमें जोड़ा गया है, ताकि यहां के विद्यार्थी भी एनएसएस के जागरूकता कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर सकें। इनमें हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और रायबरेली शामिल हैं। इस संबंध में लखनऊ विश्वविद्यालय के एनएसएस के प्रोग्राम कोआर्डिनेटर प्रो. राकेश द्विवेदी ने कालेजों को पत्र जारी किया है।

उन्होंने बताया कि कालेजों में एनएसएस की नवीन इकाई आवंटन के साथ-साथ पिछले वर्ष में आवंटित इकाइयों का भी नवीनीकरण किया गया है। लखनऊ विश्वविद्यालय सहित राजधानी के 60 कालेजों को मिलाकर 15000, लखीमपुर खीरी के पांच कालेजों में 500, सीतापुर के नौ कालेजों में 1400, रायबरेली के सात कालेजों में 700 और हरदोई के सात कालेजों में 900 विद्यार्थियों की संख्या सामान्य कार्यक्रमों के लिए आवंटित की गई है। इस छात्र संख्या का 50 फीसद विशेष शिविर आयोजन के लिए आवंटित छात्र संख्या मानी जाएगी। अभी कोविड संक्रमण की वजह से रात्रि-दिवसीय शिविर का आयोजन किया जाना संभव नहीं है। स्थिति की समीक्षा के बाद ही सूचना जारी की जाएगी। नियमित रिपोर्टिंग न करने वाली इकाइयों को भविष्य में निरस्त कर दिया जाएगा।

15 तक अपलोड कर सकेंगे आंतरिक मूल्यांकन के अंक

लखनऊ विश्वविद्यालय ने परिसर के साथ सभी सहयुक्त महाविद्यालयों को स्नातक व परास्नातक दिसंबर 2021-22 (प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों को छोड़कर) के अन्य सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन, प्रायोगिक एवं मौखिक परीक्षाओं के अंक अपलोड करने की तिथि बढ़ा दी है। अब 15 फरवरी तक ये परीक्षाएं पूरी कराकर उनके अवार्ड (अंक चिट) को वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने निर्देश जारी किए हैं। अभी तक प्रथम सेमेस्टर को छोड़कर अन्य सेमेस्टर में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के आंतरिक मूल्यांकन, मौखिक परीक्षा आदि के अंक अपलोड करने के लिए 20 जनवरी तक मौका था। कोविड संक्रमण के चलते कालेज बंद होने की वजह से छात्रहित में तिथि बढ़ाई गई है। परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी पत्र के मुताबिक, सभी छात्रों के अंक अनिवार्य रूप से आनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। किसी भी स्थिति में आफलाइन अंक नहीं मान्य होंगे।

लवि में बनेगी सोलर वाटर पंप टेस्टिंग लैब

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के नवीन परिसर स्थित इंस्टीट्यूट आफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी में जल्द ही सोलर वाटर पंप टेस्टिंग लैब की स्थापना की जाएगी। इसमें किसानों को दिए जाने वाले वाटर पंप की टेस्टिंग की जा सकेगी। इसके लिए राज्य सरकार के सेंटर आफ एक्सीलेंस के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी को प्रोजेक्ट मिला है।

पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत किसानों को सोलर वाटर पंप लगाने में आने वाले खर्च पर राज्य सरकार छूट देती है। लवि के इंस्टीट्यूट आफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी की कोआर्डिनेटर प्रो. ज्योत्सना सिंह ने बताया कि इन पंप को बनाए जाने के लिए मिनिस्ट्री आफ न्यू रिन्यूएबल एनर्जी ने मानक तय किए हैं। टेस्टिंग लैब स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जो भी कंपनी पंप बनाएंगी, उसकी जांच मानक के अनुसार की जा सकेगी। यह पता लगाना आसान होगा कि किस कंपनी का वाटर पंप सही है। इसमें देखा जाएगा कि पंप का आपरेटिंग वोल्टेज कितना है, ओपन सर्किट करंट की क्या स्थिति है। उन्होंने बताया कि लैब स्थापित करने के लिए उपकरण खरीदने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह बेस्ट टेस्टिंग लैब के रूप में विकसित होगी। जांच के लिए विद्यार्थियों को भी ट्रेंड किया जाएगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित इंस्टीट्यूट आफ न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी में सोलर वाटर पंप टेस्टिंग लैब स्थापित करने की प्रक्रिया हुई शुरू • सौजन्य : लवि

लवि में विद्यार्थी सीखेंगे पुराने सिक्कों की पहचान के तरीके

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) में स्नातक के विद्यार्थी अब छठी शताब्दी पूर्व से लेकर गुप्त काल तक के सिक्कों की पहचान के तरीके सीखेंगे। इसके लिए एंशियंट इंडियन हिस्ट्री (एआइएच) विभाग ने बीए दूसरे व चौथे सेमेस्टर के लिए वोकेशनल कोर्स के तहत इसका पाठ्यक्रम तैयार किया है। एमबीए के विद्यार्थियों को स्वरोजगार की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से दो कोर्स भी तैयार किए गए हैं।

लवि ने इस वर्ष स्नातक में भी नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्यक्रम लागू किया है। अभी तक एआइएच विभाग में बीए पाठ्यक्रम में मुद्रा शास्त्र पढ़ाया जाता है। इसमें सिर्फ विद्यार्थी थ्योरी ही पढ़ते हैं। विभाग के शिक्षक प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव बताते हैं कि नई शिक्षा नीति के तहत तैयार किए गए इस कोर्स में छठी शताब्दी पूर्व से लेकर 550 ईसवी (गुप्त काल व पाषाण काल) के अंत के सिक्कों को शामिल किया गया है। विद्यार्थियों को इसकी स्लाइड बनाकर व पुराने सिक्कों को दिखाकर पहचानना सिखाया जाएगा। म्यूजियम स्टडीज से जुड़ा कोर्स भी बनाया गया है।

एंटरप्रेन्योरशिप और पर्सनल सेलिंग कोर्स भी होगा शुरू

लवि के व्यापार प्रशासन विभाग ने स्नातक दूसरे सेमेस्टर में वोकेशनल के रूप में दो नए कोर्स तैयार किए हैं। इनमें एंटरप्रेन्योरशिप और पर्सनल सेलिंग शामिल है। विभाग के अध्यक्ष संजय मेधावी ने बताया कि स्नातक के विद्यार्थियों को स्वरोजगार की तरफ बढ़ावा देने के लिए एंटरप्रेन्योरशिप कोर्स शुरू किया गया है। पर्सनल सेलिंग कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी इसमें अपना करियर बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कोर्स के लिए चार-चार क्रेडिट तय किए गए हैं।

HINDUSTAN PAGE 4

एलयू की परीक्षाओं पर फैसला भी 31 को

भाषा विवि की तरह की लखनऊ विश्वविद्यालय में में भी 31 जनवरी से सम सेमेस्टर की ऑनलाइन कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। नए परीक्षा कार्यक्रम को लेकर यहां कवायद शुरू हो चुकी है, दोबारा परीक्षाएं कब से शुरू होंगी, इस पर सोमवार को बैठक करके फैसला लिया जाएगा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

15 तक अपलोड करें इंटरनल के अंक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातक व परास्नातक सेमेस्टर दिसंबर 2021 के लिए आंतरिक मूल्यांकन, प्रयोगात्मक परीक्षा व मौखिक परीक्षा के नंबर पोर्टल पर अपलोड करने की तिथि तय कर दी है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी के अनुसार पहले सेमेस्टर के प्रवेशितों को छोड़कर अन्य सेमेस्टर के नंबर 15 फरवरी तक ऑनलाइन अपलोड करने होंगे। सभी छात्रों के नंबर अनिवार्य रूप से ऑनलाइन ही अपलोड करने होंगे। उन्होंने सभी हेड व प्राचार्यों से कहा है कि परीक्षा के नंबरों को ठीक से जांचकर ही अपलोड करें, क्योंकि इसमें किसी तरह का संशोधन संभव नहीं होगा। विभाग व कॉलेज अपलोड अंकों की हार्डकॉपी परीक्षा विभाग में जमा करेंगे। (माई सिटी रिपोर्टर)

नए जुड़े कॉलेजों को मिला एनएसएस

लखनऊ। लविवि से इस साल चार नए जिले रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी व हरदोई के कॉलेज जुड़े हैं। इन जिलों में कई कॉलेज ऐसे थे जहां एनसीसी या एनएसएस जैसी सुविधाएं नहीं थीं। अब इन कॉलेजों को भी एनएसएस की सुविधा मिली है। विवि के प्रवेश समन्वयक प्रो. राकेश द्विवेदी ने लखनऊ व अन्य जिलों के सहयुक्त कॉलेजों को वर्ष 2021-22 के लिए छात्र आवंटित कर दिए हैं। हालांकि यह छात्र आवंटन प्रवेश होने के दो महीने बाद हुआ है। ऐसे में कॉलेजों को जल्द इसके लिए छात्रों का पंजीकरण कर विवि को सूचित करना होगा। (माई सिटी रिपोर्टर)

ऑनलाइन होगी मिड सेमेस्टर परीक्षा

लखनऊ। लविवि के कॉमर्स विभाग ने एमकॉम पहले सेमेस्टर की मिड सेमेस्टर की परीक्षाएं ऑनलाइन कराने का निर्णय लिया है। विभागाध्यक्ष के अनुसार परीक्षाएं 31 जनवरी से 05 फरवरी तक प्रस्तावित हैं। इसकी विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर अपलोड करने के साथ विभाग के नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा कर दी गई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

कोरोना संक्रमण में तुलसी, अदरक बनी मददगार

कोरोना संक्रमण बढ़ने के साथ ही एक बार फिर औषधीय पौधों का इस्तेमाल बढ़ गया है। प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए लोग इसे उपयोगी मान रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ल की ओर से कोविड-19 की तीसरी लहर में कराए गए आनलाइन सर्वे में यह बात सामने आई है। भारत सहित 11 देशों में हुए इस सर्वे के नतीजों के मुताबिक 833 में से 68.3% लोग 16 तरह के औषधीय पौधों का इस्तेमाल किसी न किसी रूप में कर रहे हैं। इनमें सबसे ज्यादा 76.40% लोगों ने तुलसी, 74.40% ने अदरक और 63.3% लोगों ने हल्दी का प्रयोग किया है।

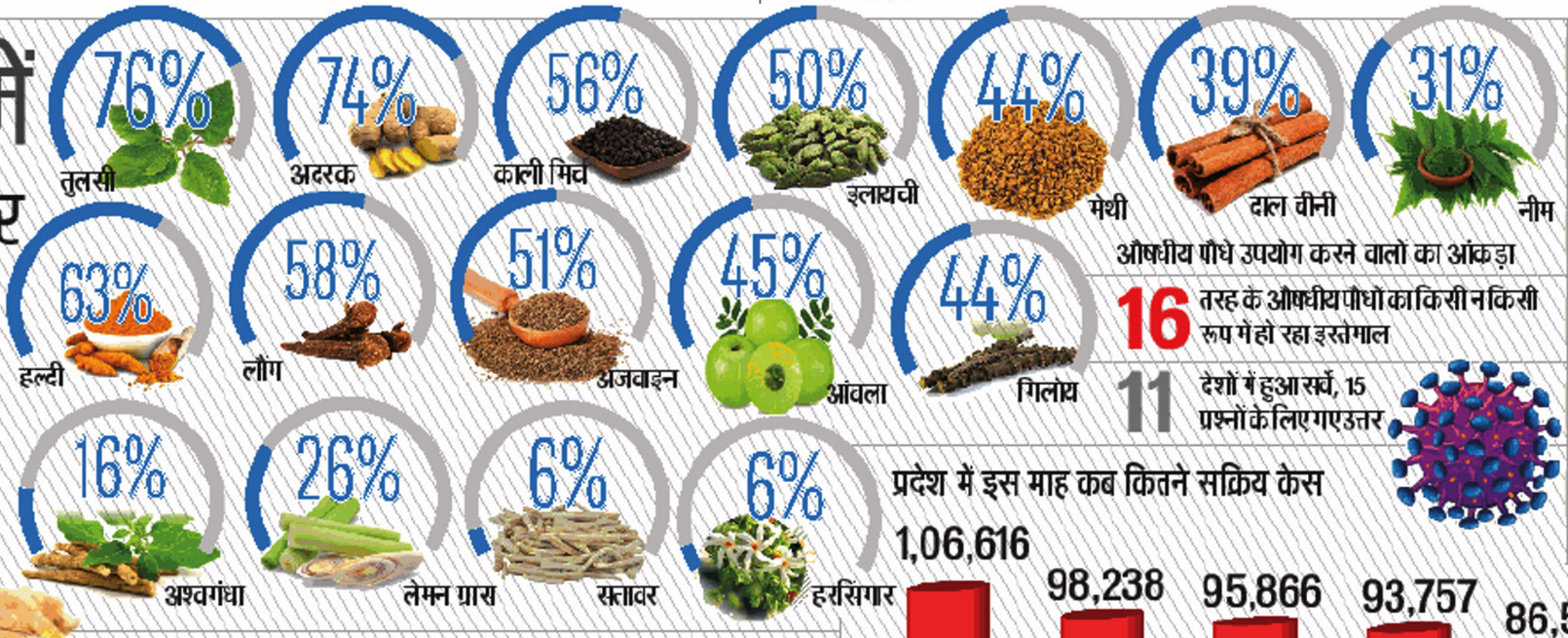

औषधीय पौधे उपयोग करने वालों का आंकड़ा

16 तरह के औषधीय पौधों का किसी न किसी रूप में हो रहा इस्तेमाल

11 देशों में हुआ सर्वे, 15 प्रश्नों के लिए गए उत्तर

देश में सर्वे में शामिल लोग	
उत्तर प्रदेश	81.20%
तामिलनाडु	3.30%
बिहार	3%
मध्य प्रदेश	2.70%
पुडुचेरी	1.40%
केरल	1.2 0%
झारखंड	1.10%
उत्तराखंड	1%
दिल्ली	1%
एनईआर	1%
दूसरे राज्य	3%

पूछे गए सवाल

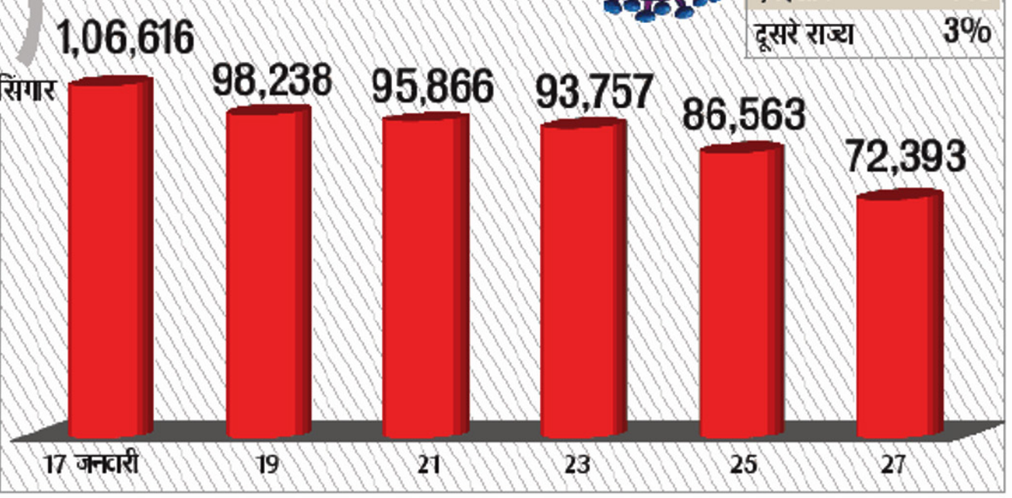

भारत, आस्ट्रिया, ब्राजील, सऊदी अरब, अमेरिका सहित 11 देशों के सर्वे के दौरान 15 प्रश्नों के उत्तर देने थे। इसमें व्यक्ति का नाम, उम्र, शहर या ग्रामीण की जानकारी ली गई। पूछा गया कि कोविड संक्रमण हुआ या नहीं। घर पर रहे या अस्पताल में। कौन सा औषधीय पौधा उपयोग में लाए। सेहत के लिए लाभदायक रहा या नहीं ? आदि। प्रो. शुक्ला ने बताया कि 73.4% लोगों ने कोविड संक्रमित होने की सूचना दी। साथ ही, बताया कि कोई इन पौधे का उपयोग चाय, काढ़ा तो कोई चूर्ण, चटनी व लड्डी आदि बनाकर प्रयोग कर रहा है। सर्दी, खांसी, बुखार व सांस संबंधी दिक्कतों में भी इससे लाभ मिला है।

प्रदेश में इस माह कब कितने सक्रिय केस

जागरण इंफो

इनपुट : अखिल सक्सेना और डिजाइनिंग : विनय सैनी